नवोदय बजट

ABC से प्रमाणित 1,22,024 प्रतियां प्रतिदिन (औसतः जनवरी-जून 2017)

नई दिल्ली

NAVODAYA TIMES, New Delhi

टाइम्स

मैरीकॉम को इंडियन ओपन मुक्केबाजी में स्वर्ण पदक 18

शुक्रवार, 2 फरवरी, 2018 • तदनुसार 20 माघ, विक्रमी सम्वत 2074 | www.navodayatimes.in | facebook.com/navodayatimes | twitter.com/navodayatimes | अधिकतम न्यूनतम | वर्ष 5,

बजट

रियलिटी सेक्टर के लिए 5.97 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए

2018

10 % टैक्स की बढ़ोतरी का रियलिटी सेक्टर को लाभ

400 प्वांइट मार्केट का गिरना भी सीधे संकेत

9

NAVODAYA TIMES

नवोदय टाइम्स

नई दिल्ली • शुक्रवार • 2 फरवरी, 2018

रियलिटी सेक्टर को मिली बैसाखी

आस केवल दूसरों पर टिकी, दूसरों का भला तो रियलिटी को भी फायदा

इन्वेस्टर बढ़ने की आशा

उम्मीद है अब इन्वेस्टर रियलिटी मार्केट की तरफ आएगा, क्योंकि उसके पास अब लांग टर्म इन्वेस्ट करने के लिए रियलिटी ही एक मात्र विकल्प है। इसके अलावा जो बजट में फंड दिया गया उसे इन्फ्रास्ट्रक्चर के नाम पर दिया गया है जबकि हमारी मांग थी इसे अलग इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में रखा जाए।
-गीताम्बर आंनद, चेयरमैन, नेशनल कंस्ट्राई एंड सीएमडी एटीएस इन्फ्रा लि.

4 सालों से ये सेक्टर बेहद मंदी के दौर से गुजर रहा है, हर बार सरकार से उम्मीद की जाती है कि इसे राहत दी जाएगी, लेकिन नहीं मिलती, इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ। वित्त मंत्री ने देश की ग्रोथ रेट को बढ़ाने का लक्ष्य रखा है, लेकिन जीडीपी को सबसे ज्यादा बढ़ाने का श्रेय देने वाले इस सेक्टर को कुछ खास नहीं दिया गया, जिससे किए गए दावे बेमानी जैसे लगते हैं। -मनोज गौर, अध्यक्ष क्रेडाई एनसीआर, एमडी गौरसंस इंडिया लि.

विजन है कि 2022 तक हर गरीब को घर मिले, लेकिन सालाना लक्ष्य 1 करोड़ से भी कम का रखा गया है, ऐसे में सपना पूरा कैसे होगा। इस सेक्टर को एक संजीवनी चाहिए, लेकिन कुछ नहीं किया गया। इस सेक्टर को आर्थिक मदद और एफडीआई की जरूरत है, लेकिन सरकार ने उसके लिए केवल संकेत दिए हैं, सीधे तौर पर कुछ नहीं दिया, ऐसे में हमारे हाथ केवल मायूसी ही लगी है। -अश्वनी प्रकाश, कार्यकारी निदेशक, पैरामाउंट ग्रुप

बजट लोभ लुभावना है, इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए जो बजट दिया गया है उसमें ही रियलटी को समायोजित कर दिया, ये छलावा ही है। एफडीआई का लक्ष्य बढ़ा है पहले ही लक्ष्य पूरा नहीं हो पाया ऐसे में केवल संकेत। रेरा डीमोनोटाईजेशन और जीएसटी ने पहले से कमर तोड़ रखी है और अब बजट में कोई राहत नहीं मिली है ऐसे में रियलिटी सेक्टर मंदी से नहीं उबर पाएगा। -राकेश यादव, रियलिटी एक्सपर्ट व चेयरमैन अंतरिक्ष ग्रुप

4 सालों से ये सेक्टर बेहद मंदी के दौर से गुजर रहा है, हर बार सरकार से उम्मीद की जाती है कि इसे राहत दी जाएगी, लेकिन नहीं मिलती, इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ। वित्त मंत्री ने देश की ग्रोथ रेट को बढ़ाने का लक्ष्य रखा है, लेकिन जीडीपी को सबसे ज्यादा बढ़ाने का श्रेय देने वाले इस सेक्टर को कुछ खास नहीं दिया गया, जिससे किए गए दावे बेमानी जैसे लगते हैं। -मनोज गौर, अध्यक्ष क्रेडाई एनसीआर, एमडी गौरसंस इंडिया लि.